आज का मौसम

भोपाल	↑ 42.7°	↓ 22.8°
इंदौर	↑ 41.5°	↓ 23.7°
ग्वालियर	↑ 40.3°	↓ 25.4°
जबलपुर	↑ 35.9°	↓ 21.6°

सूर्योदय- 5.45 सूर्यास्त-6.59

दैनिक
नईदुनिया

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

पृथ्वी शॉ भारत के ... 7

वर्ष- 74 (भोपाल: वर्ष 36 अंक 168, पृष्ठ 8) रविवार 16 मई , 2021 राजधानी संस्करण. कीमत: रु. 3:00 www.naiduniaonline.com

कोरोना पर मोदी की हाईलेवल मीटिंग

वेंटिलेटर्स का इस्तेमाल नहीं होने पर नाराजगी जताई

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में कोरोना के कहर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हाई-लेवल मीटिंग की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हाई पॉजिटिविटी रेट वाले इलाकों में टेस्टिंग बढ़ाई जाए।

उन्होंने गांवों में कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गांवों में डोर-टू-डोर टेस्टिंग और सर्विलांस की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा उन्होंने वेंटिलेटर्स का इस्तेमाल नहीं होने पर भी नाराजगी जताई है। मीटिंग के दौरान बताया गया कि मार्च के शुरुआती हफ्ते में करीब 50 लाख टेस्ट किए जा रहे थे, जिसे अप्रैल में बढ़ाकर हर हफ्ते 1.3 करोड़ टेस्ट कर दिए गए हैं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण इलाकों में ऑक्सीजन की प्रॉपर सप्लाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों को

वेंटिलेटर और अन्य उपकरणों को ऑपरेट करने के लिए ट्रेनिंग दी जानी चाहिए।

मीटिंग में प्रधानमंत्री की 3 अहम बातें

1. ग्रामीण इलाकों में कोरोना फैलने से रोकना होगा

उन्होंने ग्रामीण इलाकों में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जरूरी उपकरणों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में होम आइसोलेशन और इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

2. राज्यों को दिए गए वेंटिलेटर्स का ऑडिट हो

प्रधानमंत्री ने कुछ राज्यों में वेंटिलेटर का उपयोग सही से नहीं होने की कुछ रिपोर्टों को गंभीरता से लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि केंद्र सरकार की ओर से मुहैया कराए गए वेंटिलेटर्स की इंस्टालेशन और ऑपरेशन का तत्काल ऑडिट किया जाना चाहिए।

3. गांवों के लिए डिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी तैयार की जाए

प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी तैयार की जाए। इसमें ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स को भी शामिल किया जाए। चिकित्सा उपकरणों के सुचारू ऑपरेशन के लिए बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

4. राज्य पारदर्शिता से कोरोना के केस बताएं

राज्यों को पारदर्शिता के साथ कोविड केसों की संख्या जारी करनी चाहिए। उन्हें इस दबाव में नहीं आना चाहिए कि ज्यादा संख्या दिखाने से महामारी पर नियंत्रण की उनकी कोशिशों पर कोई बुरा असर पड़ेगा।

वैक्सीनेशन की रफ्तार पर भी चर्चा हुई

मीटिंग में देश में कोरोना के हालात का रिव्यू किया गया। इस दौरान देश में वैक्सीनेशन की रफ्तार को लेकर भी चर्चा हुई। मीटिंग में सरकार की तैयारी के बारे में प्रधानमंत्री को बताया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय और नीति आयोग से जुड़े सीनियर अफसर शामिल हुए।

खास-खबर

ममता बनर्जी के छोटे भाई असीम का कोरोना से निधन

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के छोटे भाई असीम बनर्जी का आज कोरोना से निधन हो गया। वह बीते काफी समय से कोरोना वायरस से संक्रमित थे और कोलकाता के एक मेडिका सुपरस्पेशियालिटी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने आज आखिरी सांस ली। कोलकाता में मेडिका सुपरस्पेशियालिटी अस्पताल के चेयरमैन आलोक रॉय ने उनके निधन की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के भाई कोरोना वायरस से संक्रमित थे और उनका यहीं इलाज चल रहा था। इस बीच पश्चिम बंगाल सरकार ने 16 मई से 31 मई तक कंप्लीट लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है। बंगाल में कोरोना वायरस का कहर जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, राज्य में कोरोना वायरस के कुल 131792 एक्टिव मामले हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा का ऐलान 26 को मनाएगा काला दिवस

नई दिल्ली(एजेंसी)। नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे 40 किसान संघों के प्रधान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे प्रदर्शन के छह माह होने पर 26 मई को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में लोगों से 26 मई को अपने घरों, वाहनों, दुकानों पर काला झंडा लगाने की अपील की है। राजेवाल ने कहा कि 26 मई को इस प्रदर्शन के छह महीने हो जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार बनाने के सात साल पूरे होने के अवसर पर यह हो रहा है।

6 दिनों में पॉजिटिविटी रेट में 5.6 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में कोरोना के मामले घटने लगे हैं। रोजाना केस के साथ पॉजिटिविटी रेट में भी कमी देखी जा रही है। पिछले 6 दिनों में पॉजिटिविटी रेट में 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

9 मई को पॉजिटिविटी रेट 24.9 प्रतिशत थी। यानी हर 100 टेस्ट में करीब 25 लोगों में कोरोना की पुष्टि हो रही थी। यह आंकड़ा 14 मई को घटकर 19.3 प्रतिशत रह गया। यानी अब हर 100 टेस्ट में 19 या 20 संक्रमित ही मिल रहे हैं। वहीं, रोजाना केसों में भी 11त्न तक की कमी देखी गई। 9 मई को देश में 3.66 लाख संक्रमित मिले थे, यह आंकड़ा 14 मई को 40 हजार घटकर 3.26 लाख पर आ गया।

बीते दिन 3,876 मौतें; 3.52 लाख लोग ठीक हुए: पिछले 24 घंटे में 3 लाख 26 हजार 14 मामले सामने आए और 3,876 लोगों की मौत हो गई। राहत की बात यह रही कि इस दौरान 3 लाख 52 हजार 850 लोगों ने कोरोना को मात दी। इस तरह एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 30,754 की गिरावट दर्ज की गई। यह इस साल एक्टिव केस में आंकड़ों में सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले 10 मई को इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 30,490 की कमी हुई थी।

वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ेगी:अगले 15 दिनों में राज्यों को 1.92 करोड़ डोज भेजेगी केंद्र सरकार

केंद्र सरकार ने राज्यों को वैक्सीन उपलब्ध करवाने की मुहिम को तेज कर दिया है। इसी के मद्देनजर केंद्र अगले 15 दिनों में राज्यों को 1.92 करोड़ वैक्सीन की डोज राज्यों को भेजने की तैयारी में है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, वैक्सीन के ये डोज 16 मई से 31 मई तक भेजी जाएंगी। राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में भेजी जाने वाली कुल डोज में 1.62 करोड़ डोज कोविशील्ड और 29.49 लाख डोज कोवैक्सिन के होंगे।

लोगों का दर्द महसूस कर सकता हूं : मोदी

पीएम मोदी ने कोरोना की वजह से जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बीते कुछ समय से जो कष्ट देशवासियों ने सहा है, अनेकों लोग जिस दर्द से गुजरे हैं, तकलीफ से गुजरे हैं, वो मैं भी उतना ही महसूस कर रहा हूं।

18 मई को गुजरात के तट से टकराएगा ताऊ ते

महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक में भी भारी बारिश की आशंका

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुजरात और महाराष्ट्र समेत पांच राज्यों पर अरब सागर में बन रहे चक्रवात ताऊ ते का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 18 मई को यह चक्रवात गुजरात के तटवर्ती क्षेत्रों से टकराएगा।

इस दौरान बारिश के साथ 175 किलो मी.प्रति घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस तूफान का असर गुजरात-महाराष्ट्र के अलावा केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक पर भी हो सकता है। इस चक्रवात को म्यांमार ने ताऊ ते नाम दिया है।

6 पॉइंट में समझें तूफान का असर: लक्ष्यदीप 16 और 17 मई को अन्य जगहों पर भी बारिश संभव। तमिलनाडु के घाट जिले में भी 16 मई को तेज बारिश हो सकती है। कर्नाटक के तटवर्ती जिलों में भी इस तूफान का असर रहेगा। यहां भी बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। कोंकण और गोवा में 15-16 मई को भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका। गुजरात के सौराष्ट्र में 16-17 मई को भारी बारिश हो सकती है। 18 मई को कच्छ में भी तेज बारिश की आशंका। केरल के पांच जिलों तिरुवनंतपुरम, कोलम, पठानामठिता, अलपुझा और एर्नाकुलम में रेड अलर्ट जारी। एनडीआरएफ (शेष पेज 2 पर)

मप्र में नए मामलों में कमी, एक्टिव मरीजों का आंकड़ा एक लाख से कम

भोपाल (काप्र)। मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। पिछले 24 घंटे में 7,571 नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं। एक महीने बाद नए केस में 8 हजार की कमी आई है।

पिछले 10 दिन से कोरोना के केस हर दिन कम हो रहे हैं। पॉजिटिविटी रेट 10 दिन में 18 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत पर आ गया है। स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 5 जिले दतिया, भिंड, मुरैना, अशोकनगर और गुना में 50-50 से भी कम केस दर्ज किए गए। प्रदेश में कुल संक्रमित 7 लाख 24 हजार 279 हो गए हैं। इसमें से 6 लाख 17 हजार 396 संक्रमित कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में अब तक कोरोना से 6,913 मौतें हो चुकी हैं। इनमें 14 मई को हुई 72 मौतें भी शामिल हैं।

कोरोना से मई के 14 दिनों में 1,111 मौतें हो चुकी हैं। हालांकि, पॉजिटिविटी रेट लगातार कम होता जा रहा है। 14 मई को यह 11 प्रतिशत पर आ गया है। 13 मई को 12 प्रतिशत दर्ज किया गया था। जो मई के शुरुआत में 25 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

प्रदेश में 8 दिन बाद एक्टिव केस 1 लाख से कम हुए: मध्यप्रदेश में एक्टिव केस की संख्या 8 दिन बाद 99 हजार 970 पहुंच गई है। 8 मई को एक लाख 2 हजार 776 एक्टिव केस हो गए थे। 9 मई को यह आंकड़ा 1 लाख 11 हजार 223 हो गया था। 24 घंटे में इंदौर में 1548 , भोपाल में 1241 , ग्वालियर में 376 और जबलपुर में 301 नए संक्रमित मिले है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा भोपाल में 9 मौतें हुईं। इंदौर (शेष पेज 2 पर)

कोरोना की पहली लहर के बाद लापरवाह हो गई थी सरकार : भागवत

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में कोरोना के वर्तमान हालात पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि यह परीक्षा का समय है और हमें पॉजिटिव रहना होगा।

भागवत पॉजिटिविटी अनलिमिटेड कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना की पहली लहर के बाद सरकार और जनता लापरवाह हो गई थी।

उन्होंने कहा, हमें पॉजिटिव रहना होगा और मौजूदा परिस्थिति में खुद को कोविड नेगेटिव रखने के लिए सावधानियां बरतनी होंगी। वर्तमान परिस्थितियों में तर्कहीन बयान देने से भी बचना चाहिए। यह परीक्षा का समय है लेकिन हमें एकजुट रहना होगा और एक टीम की तरह कार्य करना होगा।

एम्स के डायरेक्टर ने गिनाई ब्लैक फंगस होने की वजह

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के साथ-साथ अब ब्लैक फंगस (म्यूकोर्मिकोसिस) के केस भी बढ़ने लगे हैं। कई राज्यों में ऐसे मरीज मिले हैं जिनमें यह फंगल इंफेक्शन पाया गया है।

ब्लैक फंगस केस के बढ़ने के पीछे कोरोना वायरस तो है ही साथ में स्टेरॉयड को भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। शनिवार को एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा कि डायबिटीज, कोरोना पॉजिटिव और स्टेरॉयड लेने वाले रोगियों में फंगल इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हमें हमें स्टेरॉयड का दुरुपयोग रोकना चाहिए।

गुलेरिया ने कहा कि यह रोग में चेहरे, नाक, आंख या फिर मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है। फेफड़ों में भी फैल सकता है और आंखों की रोशनी भी जा सकता है। गुलेरिया ने कहा कि इस इंफेक्शन को रोकने के लिए हमें प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। यह देखा गया है कि यह एक सेकेंडरी इंफेक्शन हैं फंगल और बैक्टेरियल है जो मौत का कारण बन रहे हैं। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि देश में कोविड-19 के कुल मामलों में से 85 प्रतिशत मामले 10 राज्यों से हैं। मंत्रालय ने कहा कि 11 राज्यों में संक्रमण के एक-एक लाख से अधिक उपचाराधीन मामले हैं, जबकि आठ राज्यों में 50 हजार से एक लाख के बीच उपचाराधीन रोगी हैं। इसने बताया कि 24 राज्यों में संक्रमण दर 15 प्रतिशत से अधिक है।

दो महीने में दूर हो जाएगी वैक्सीन की किल्लतः गुलेरिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में कोरोना की दूसरी लहर के बी वैक्सीन की किल्लत ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। वैक्सीन निर्माता कंपनियों से प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए बातचीत जारी है। इस बीच दिल्ली स्थित एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि करीब दो महीने में देश में टीके बड़ी मात्रा में उपलब्ध हो जाएंगे, क्योंकि वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां अपने विनिर्माण संयंत्र खोलना शुरू कर देंगी और वैक्सीन की खुराक उपलब्ध होगी। उन्होंने दूसरे देशों से भी वैक्सीन मंगाने की बात कही है। डॉ. रणदीप गुलेरिया ने (शेष पेज 2 पर)

भारत में कोरोना की दूसरी लहर की पीक पार! लेकिन 9 राज्यों की स्थिति अभी भी चिंताजनक

नई दिल्ली(एजेंसी)। विगत सात मई के बाद कोरोना के नए संक्रमणों में लगातार गिरावट बनी हुई है। आईआईटी का मॉडल यह प्रदर्शित कर रहा है कि दूसरी लहर की पीक निकल चुकी है। पिछले एक सप्ताह में संक्रमण नहीं बढ़ा है।

संख्या कम ज्यादा हो रही है जो दर्शाता है कि संक्रमण की दर स्थिर हो चुकी है। इसलिए अगले कुछ दिनों के आंकड़ों से स्थिति पूरी तरह से साफ हो पाएगी। आईआईटी कानपुर का सूत्र मॉडल भी यही संकेत दिखा रहा है। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मनिंदर अग्रवाल ने संक्रमण में कमी को लेकर ट्वीट किए हैं, जिसमें मॉडल के जरिये दर्शाया है कि संक्रमण में गिरावट दिखाई दे रही है। यह पूछने पर कि क्या पीक निकल चुकी है, उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह आ चुकी है। हालांकि, हमें इसे सुनिश्चित करने के लिए कुछ और दिन आंकड़ों पर नजर रखनी होगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 7 मई को देश में कोरोना के सर्वाधिक 4,14,188 नए संक्रमण दर्ज किए गए थे। उसके बाद यह आंकड़ा लगातार कम बना हुआ है।

टीकाकरण को लेकर सरकार पर बरसे राहुल गांधी कहा- अनर्थकारी नीति तीसरी लहर सुनिश्चित करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को राष्ट्रीय टीका रणनीति का आह्वान किया और दावा किया कि सरकार की अनर्थकारी टीकाकरण नीति देश में महामारी की तीसरी विनाशकारी लहर सुनिश्चित करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संदिग्ध कोरोना मरीजों के शव बहते पाए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मां गंगा को रुलाया है।

राहुल गांधी ने ट्विटर पर कहा, भारत सरकार की अनर्थकारी टीका रणनीति विनाशकारी तीसरी लहर सुनिश्चित करेगी...भारत को उचित टीका रणनीति की आवश्यकता है। उन्होंने मीडिया में आई उन खबरों को टैग किया जिनमें दावा किया गया है कि गंगा के किनारे 1,140 किलोमीटर क्षेत्र में 2,000 से अधिक शव पाए गए हैं।

गाजा में इजराइली एयरस्ट्राइक में अल जजीरा और एपी समेत कई मीडिया ऑफिस तबाह

तेल अवीव(एजेंसी)। इजराइली डिफेंस फोर्स ने शनिवार शाम एयरस्ट्राइक कर उस 12 मंजिला अपार्टमेंट (गाजा टावर) को तबाह कर दिया, जहां अमेरिकी मीडिया एसोसिएट प्रेस और कतर के मीडिया हाउस अल जजीरा सहित कई समाचार समूहों के ऑफिस थे। हमले से पहले आईडीएफ ने एक अनाउंसमेंट किया। इसमें लोगों से अपने घर खाली करने के लिए कहा गया। ठीक एक घंटे

बाद इजराइल के फाइटर प्लेन ने बमबारी शुरू कर दी। कुछ ही सेकेंड में 12 मंजिला बिल्डिंग तबाह हो गई। इधर, मीडिया पर हमले का आरोप लगने के बाद आईडीएफ ने सफाई दी है। आईडीएफ ने कहा है कि जिस गाजा टावर को हमला कर गिराया गया है, उसमें हमास (इजराइल इसे आतंकी संगठन मानता है) की पॉलिटिकल विंग का भी ऑफिस था। इजराइली फोर्स ने हमास पर प्रेस और मीडिया हाउस को शील्ड की तरह उपयोग करने का आरोप लगाया है।

नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन लेने वाले 90 फीसदी कोरोना मरीज हो गए ठीक

भोपाल (काप्र)। कोरोना की दूसरी लहर में रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग में एका-एक बढ़ोतरी हो गई है। हालांकि, इस बीच कई राज्यों में नकली रेमडेसिविर बेचने वाले लोग भी गिरफ्तार किए गए, जिनपर पुलिस कड़े एक्शन ले रही है।

इसी तरह मध्य प्रदेश में भी गुजरात के एक गैंग ने कई लोगों को नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बेच दिए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आदेश पर पुलिस इन सबके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने जा रही है, लेकिन उनके सामने एक पेच फंस गया है। दरअसल, इस गिरोह ने जिन मरीजों को नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचे थे, उसमें से 90 फीसदी मरीजों की जान बच गई। मध्य प्रदेश पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है। जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर और जबलपुर से गिरफ्तार हुए लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करवाना चाहते हैं, तो वहीं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वह तरीका ढूंढ रहे हैं कि कैसे सभी पर मर्डर का केस चलाया जा सकता है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि जिनको इंजेक्शन बेचे गए, उसमें लोगों की जान नहीं गई और इसी वजह से यह दिक्कत आ रही है। जांच के दौरान राज्य की पुलिस उस वक्त हैरान रह गई, जब उसने नकली इंजेक्शन लेने वाले मरीजों और असली लेने वाले मरीजों के जिंदा बचने की दर की तुलना की।

स्पेशल खबर नदियों में बहती लाशों को लेकर मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को एडवाइजरी जारी की...

शवों की बेकदरी संविधान के खिलाफ, 4 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

यूपी और बिहार के कुछ जिलों में गंगा नदी में सैकड़ों लाशें तैरती दिखीं। कई घाटों पर रेत में दफनाए गए शवों पर मंडराते चील कौवों की दर्दनाक तस्वीर सामने आई। इससे पहले कुछ खबरें ऐसी भी आईं कि सगे-संबंधी शव को श्मशान घाट के सामने लावारिश छोड़कर चले गए। कुछ ने लकड़ियां न मिलने के कारण नदी में शव बहा दिया।

शवों की इस बेकदरी पर अब मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को एडवाइजरी जारी की है साथ ही 4 हफ्ते में इस पर रिपोर्ट भी मांगी है। आयोग ने संविधान में दर्ज आर्टिकल-21 का हवाला देते हुए कहा है, जिंदा व्यक्ति ही नहीं उसका मृत शरीर भी सम्मान और गरिमा का हकदार है।

सरकार जल्द बनाए मास्टर प्लान

भारत में मृत शरीर के अधिकार के लिए अलग से

कोई कानून नहीं है। लेकिन, मानवाधिकार आयोग ने उच्चतम न्यायालय में चले परमानंद कटारा बनाम केंद्र सरकार-1989 और आश्रय अधिकार अभियान बनाम केंद्र सरकार-2002 के मुकदमों का हवाला देते हुए कहा है, आर्टिकल-21 के तहत न केवल जिंदा रहते हुए बल्कि मरने के बाद भी मृत शरीर सम्मान और गरिमा का हकदार है। मृत शरीर के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार या फिर अपराध न हो इसकी रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। लिहाजा आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को सभी संबंधित संस्थाओं-अस्पतालों, पुलिस, फॉरेंसिक मेडिकल डिपार्टमेंट, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, नगर निगम, सिविल सोसायटियों, से सलाह लेकर शवों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार और उनकी गरिमा से छेड़छाड़ रोकने के लिए एक प्लान बनाकर 4 हफ्तों के अंदर प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

मृत शरीर के भी हैं अधिकार: धर्म, क्षेत्र, जाति, जेंडर को आधार बनाकर किसी मृत शरीर के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता। मृत शरीर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ व्यक्ति के मूलभत अधिकारों का हनन है। किसी भी मृत शरीर को समय से और मर्यादित एवं सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार का अधिकार है। मरने के बाद भी मृत शरीर को न्याय का अधिकार है। मृत व्यक्ति की अपमान पूर्ण बायन से, तस्वीर या फिर किसी भी तरह से मानहानि नहीं की जा सकती। मरने के बाद भी व्यक्ति की निजता का उल्लंघन करना मानवाधिकारों के खिलाफ है।

आयोग ने नागरिक, प्रशासन, अस्पताल और सरकार सबको याद दिलाए उनके दायित्व: किसी भी नागरिक को यदि कोई शव लावारिस अवस्था में दिखे तो पुलिस स्टेशन, एंबुलेंस और स्थानीय प्रशासन को सूचित करना चाहिए पुलिस प्रशासन को पोस्टमार्टम में जहां तक हो सके देरी नहीं करनी चाहिए। बिल में होने वाले भुगतान या फिर लावारिस शव को अस्पताल प्रशासन को किसी सुरक्षित स्थान में रखना चाहिए। मृत शरीर के लिए परिवार वालों की मांग पर स्थानीय प्रशासन को ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराना चाहिए। ध्यान रहे फिजूल किराया न वसूला जाए। सरकारी प्रशासन को जरूरत के हिसाब से अंतिम संस्कार के लिए अतिरिक्त प्लेटफार्म बनाने चाहिए। ताकि शव अपने अंतिम संस्कार के इंतजार में बेतरतीब न पड़े रहें। अगर किसी शव के परिवार वाले किसी कारणवश उसका अंतिम संस्कार नहीं करते या शव लावारिस है तो यह स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उसका अंतिम संस्कार, उसकी धार्मिक पहचान और संस्कृति के साथ करे।